सदन में जनप्रतिनिधियों के आचरण से जनता में भी सीधा संदेश जाता है:लोक सभा अध्यक्ष

...

सभी स्टेक होल्डर्स की सहमति से कानून का निर्माण लोकतंत्र को अधिक स्वस्थ एवं पुष्ट करता है: लोक सभा अध्यक्ष

...

विधायिकाएं बदलती दुनिया के अनुरूप अपने आपको अपडेट करें:लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने मणिपुर विधान सभा के सदस्यों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, 6 जून, 2022 : मणिपुर विधान सभा के सदस्यों के लिए प्राइड, लोक सभा सचिवालय द्वारा संसद भवन में आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने विचार व्यक्त किया कि सदन में जनप्रतिनिधियों का आचरण सिर्फ सदन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव कई स्तरों पर पड़ता है। जनता में भी सीधा संदेश जाता है। उन्होंने चेताया कि जनता को यह भरोसा होता है कि उनके जनप्रतिनिधि सदन का सर्वश्रेष्ठ उपयोग कर रहे हैं और इसलिए सदन में अनुशासन और मर्यादा जनप्रतिनिधियों के व्यवहार का अनिवार्य अंग होना चाहिए।

इस अवसर पर श्री बिरला ने लोक सभा सचिवालय के प्राइड द्वारा प्रकाशित "प्राइड: कॉन्ग्रूएन्सी, कोहज़न एंड कॉन्टिन्यूटी ", नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री बी एल वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि जब सभी स्टेक होल्डर्स की सहमति से कानून का निर्माण होता है, तभी लोकतंत्र अधिक स्वस्थ एवं पुष्ट होता है। इस विषय में उन्होंने परामर्श दिया कि सदन में जब कोई प्रस्ताव लाया जाए, तो जनप्रतिनिधि अपने-अपने स्तर पर अपने क्षेत्रवासियों से उस पर संवाद करें

और क्षेत्र के लोगों से उस बिल के ड्राफ्ट या प्रस्ताव पर राय जानें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह से बेहतर कानून का निर्माण होगा।

श्री बिरला ने आगे सुझाव दिया कि हमारी विधायिकाएं बदलती दुनिया के अनुरूप अपने आपको अपडेट करें। इस विषय में उन्होंने कहा कि जनता को विधायिका से जोड़ने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी बहुत कारगर हो सकती है। यह बताते हुए कि'एक देश-एक विधायी प्लेटफॉर्म' अर्थात् ई-विधान के तहत पूरे देश के विधान मंडलों को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाना है, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह एक ऐसा पोर्टल होगा, जो न केवल हमारी संसदीय प्रणाली को तकनीकी रूप से विकसित करेगा, बल्कि देश की सभी लोकतांत्रिक इकाइयों को परस्पर जोड़ने का कार्य भी करेगा।

श्री बिरला ने आगे कहा कि पूर्वोत्तर भारत के लिए ना तो हम विकास से समझौता कर सकते हैं और ना ही यहाँ की अद्भुत संस्कृति से। हमें विकास और संस्कृति दोनों को साथ साथ लेकर चलना होगा और संस्कृति के माध्यम से विकास के पथ पर आगे बढ़ना होगा।

मणिपुर विधान सभा की समृद्ध विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बीते 50 वर्षों में इसने अपनी रीति और आचरण से देश की विधायी परंपरा को मजबूत और समृद्ध बनाने में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि अनेक जनहितकारी फैसलों और साझा सहमतियों से आम जनता के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने का काम इन वर्षों में मणिपुर विधान सभा द्वारा किए गए हैं।

यह जिक्र करते हुए कि मणिपुर विधान सभा में युवा और अनुभवी विधायकों का मिश्रण है, उन्होंने सलाह दी कि पहली बार निर्वाचित हुए विधायकों को चाहिए कि वे सदन के अनुभवी और वरिष्ठ विधायकों से उनके अनुभव का लाभ लें। नियम-कानून निर्माण की बारीकियाँ उनसे समझें। उन्होंने कहा कि विधायक इन नियम प्रक्रियाओं का अध्ययन करें, संविधान का अध्ययन करें, इससे वे एक उत्कृष्ट विधायक के रूप में अपना कार्य कर पाएंगे।

इस ओरिएंटेशन प्रोग्राम में मणिपुर विधान सभा के 19 सदस्य भाग ले रहे हैं।